

## श्री जाट शिक्षण संस्थान, रियांबड़ी (नागौर)

### छात्रावास विवरण

**1. नाम—** श्री जाट शिक्षण संस्थान, रियांबड़ी (नागौर)

रजिस्ट्रेशन वर्ष— 1997

- 2.** रियांबड़ी कस्बे के सीनियर सेकण्डरी विद्यालय में कृषि विज्ञान एवं व्यावसायिक संकाय होने से आस-पास के बहुत से गाँवों के समाज के विद्यार्थी कस्बे में किराए पर रहकर पढाई करते थे परन्तु किराए पर रहने में कुछ कठिनाई आ रही थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए तत्कालीन विधायक श्री रामलाल बग्गड़ की अध्यक्षता में समाज की एक बड़ी मीटिंग रियांबड़ी में आयोजित हुई जिसमें समाज के विद्यार्थियों हेतु छात्रावास बनाने का निर्णय करते हुए उसके लिए जमीन खरीदने व समाज के दानदाताओं से चन्दा लेने की प्लानिंग की। समाज के चन्दे से शीघ्र ही 03 बीघा 05 बिस्वा जमीन छात्रावास के लिए खरीदकर पुनः 20 फरवरी 1997 को श्री रामलाल बग्गड़ विधायक की अध्यक्षता में फिर मीटिंग हुई इसमें विधायक महोदय ने 07 लाख रुपये छात्रावास के लिए घोषणा करते हुए दूसरे दानदाताओं को प्रेरित किया तथा इसी मीटिंग में श्री रामलाल बग्गड़ के संरक्षण में कार्यकारिणी का गठन किया गया जो आज भी निरंतर कार्यकर रही है। श्री रामलाल बग्गड़ एवं उनके सहयोगी समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने गाँव- गाँव घूमकर चन्दा देने हेतु व्यक्तियों को प्रेरित करते हुए दानदाताओं की सूची बनाई तथा चन्दा राशि कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं अन्य सक्रिय व्यक्तियों ने एकत्र की। श्री मोहनराम बेंदा, डिप्टी डायरेक्टर पॉलिटेक्निक कॉलेज से भवन का नक्शा बनवाया। 1998 में ही श्री रामलाल बग्गड़ विधायक, श्री रिछपाल मिर्धा विधायक, श्री मांगीलाल डागा विधायक, श्री प्रेमसुख मिर्धा, श्री रामकरण फिड़ोदा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में शिलान्यास करवाया जाकर निर्माण कार्य शुरू किया गया। दानदाताओं के भरपूर सहयोग से सन् 2000 तक छात्रावास में 40 आवासीय कमरें, एक डाइनिंग हॉल, रसोई, चारदीवारी सुविधाओं सहित सम्पूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करवाकर उपर्युक्त अतिथियों की उपस्थिति में लोकार्पण कार्य सम्पन्न करवाया गया। सन् 1998-99 में व्यावसायिक संकाय विद्यालयों में बंद होने से एवं गाँवों में सीनियर सैकण्डरी विद्यालय खुल जाने के कारण रियांबड़ी में किराए से रहने वाले छात्रों की संख्या बहुत कम हो जाने के कारण छात्रावास में रहने वाले छात्र उपलब्ध नहीं हो पाए। वर्तमान में उक्त संस्थान में एक हिस्से में बी.एड महाविद्यालय किराए पर संचालित हो रहा है। संस्था के पदाधिकारियों एवं समाज के मौजिज व्यक्तियों को इसके सदुपयोग की योजना बनानी चाहिए ताकि समाज की बेशकिमती संस्था का सदुपयोग हो सके।

**3. कार्यकारिणी — पूर्व संरक्षक—** स्व. श्री रामलालजी बग्गड़ पूर्वविधायक

**वर्तमान संरक्षक—** श्री रामप्रतापजी बग्गड़ पूर्व प्रधान, रियांबड़ी

**अध्यक्ष—** श्री हनुमानराम दुगसावा, भंवाल 9414917966

**उपाध्यक्ष—** श्री रामकरण जाजड़ा, मथानियां 9414828544

**सचिव—** रिक्त

**कोषाध्यक्ष—** श्री सूरजकरण गोदारा, बड़ामली 9414643314

**सदस्य—** श्री शिवराज खालिया, रियांबड़ी

**सदस्य—** श्री तुलछाराम खालिया, रियांबड़ी

**सदस्य—** श्री कालूराम सोमरवाल, दासावास

**सदस्य—** श्री पेमाराम लामरोड़, लाडवा

**सदस्य—** श्री बक्साराम सियाग, बीटन

सदस्य— श्री रमजीराम गढवाल, बेड़ास खुर्द  
सदस्य— श्री पुखराज गोदारा, जाटावास  
सदस्य— श्री रामकिशन कंकडाना, झीटीया  
सदस्य— श्री चौथाराम पिण्डेल, रोहिसा

4. भौतिक संसाधन—  $3\frac{1}{4}$  बीघा जमीन, 1 हॉल, 1 किचन, लगभग बीस हजार वर्गफुट निर्माणसुधा भवन, लाईट कनेक्शन, चार दीवारी सहित भवन।

5. दानदाता सूची —

विशेष सहयोग कर्ता दानदाता

- (i) श्री रामलालजी बग्गड़ पूर्व विधायक मेड़ता — 07 लाख रुपये
- (ii) श्री रिछपाल जी मिर्धा पूर्व विधायक डेगाना — 01 लाख रुपये
- (iii) श्री मांगीलालजी डांगा पूर्व विधायक मेड़ता— 01 लाख रुपये
- (iv) स्व. श्री प्रेमसुखजी मिर्धा पूर्व प्रधान मेड़ता — 01 लाख रुपये
- (v) स्व. श्री रामकरण जी फड़ौदा पूर्व विधायक मेड़ता— 01 लाख रुपये
- (vi) स्व. श्री भंवरसिंह डांगावास पूर्व विधायक मेड़ता — 11 हजार रुपये
- (vii) स्व. श्री भीकाराम जी लटियाल वरिष्ठ अधिवक्ता, मेड़ता — 11 हजार रुपये

6. विद्यार्थी विवरण— Nil

7. प्रवेश प्रक्रिया— समाज का कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत छात्र पात्र है।

8. शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियां— Nil

9. वित्तीय प्रबन्धन एवं आय स्रोत— जनसहयोग एवं किराया द्वारा

10. भोजन एवं आवास व्यवस्था— Nil

11. a. संस्थान के नजदीक 3 किमी की दूरी पर विवेकानन्द मॉडल स्कूल, रियांबड़ी संचालित है।

निजी महाविद्यालय, व आईटीआई 2 किमी की दूरी पर है।

b. इस संस्था भवन के  $\frac{2}{3}$  भाग में निजी कॉलेज व विद्यालय संचालन हो रहा है

तथा  $\frac{1}{3}$  भाग समाज के छात्रों के छात्रावास हेतु आरक्षित रखा गया है।